‘मन्त्रमुग्ध कर देने वाले दर्शन’ का परिचय

‘मन्त्रमुग्ध कर देने वाले दर्शन’, भगवान नित्यानन्द का वीडिओ है जिसमें वे श्री मुक्तानन्द आश्रम स्थित अपने पावन धाम, अपने मन्दिर में विराजमान हैं। संस्कृत और हिन्दी भाषा के शब्द ‘दर्शन’ का अर्थ है, निहारना—किसी पुण्यात्मा के या किसी पवित्र और धन्य चीज़ के दर्शन होना, उन्हें देखना या उनके सान्निध्य में होना।

दर्शन में शामिल है, आदान-प्रदान; इस अभ्यास में निहित है, देने और पाने का चक्र। एक भक्त इष्टदेवता को अपनी भक्ति अर्पित करता है और उसके इष्टदेवता उसकी भक्ति को ग्रहण कर उसे आशीर्वाद प्रदान करते हैं। सिद्धयोग सत्संगों के दौरान गुरुमाई चिद्विलासानन्द ने बताया है कि मन्दिर में विराजमान भगवान नित्यानन्द की पर्वत के समान दृढ़ उपस्थिति, साधक को ज्ञान और खुद में केन्द्रित रहने का व हृदय की आभा और लचीलेपन के सम्पर्क में रहने का अनुभव प्रदान करती है।

दर्शन खुली आँखों से होने वाला ध्यान हो सकता है। इस वीडिओ को देखते समय, आप भगवान नित्यानन्द का दिव्य नाम गाकर उनकी उपासना कर सकते हैं। ‘नित्यानन्द’ का अर्थ है, ‘शाश्वत आनन्द।’ इस दर्शन से, अपने मन व हृदय को शुद्ध होने दें—ये दर्शन आपके मन व हृदय से उदासीनता और निराशा, तथा इनसे उत्पन्न होने वाले कोलाहल को दूर कर दें। इस दर्शन को अपने अन्तर के उन मार्गों को साफ़ करने दें जो हृदय के आनन्द तक ले जाते हैं।

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।